मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 43 | अंक : 56 | बुधवार, 7 मई 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मेट गाला में शाहरुख खान की हुई फजीहत!

महापालिका चुनाव की हलचल तेज

सुप्रीम कोर्ट का आदेश
4 माह के भीतर हों स्थानीय निकाय चुनाव, 4 हफ्ते में जारी करें अधिसूचना

- सितंबर अथवा दिवाली बाद होंगे चुनाव!
- पूर्व नगरसेवक व इच्छुक फिर हो रहे सक्रिय

उल्हासनगर. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव का रास्ता अब साफ हो गया है. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग को अहम निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर जारी कर दी जाए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण का विवादास्पद मुद्दा 2022 की रिपोर्ट से पहले जैसा ही रहेगा। पीठ ने स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न कराने के लिए समयसीमा तय करते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से इसे 4 महीने में संपन्न करने को कहा। पीठ ने राज्य निर्वाचन आयोग को उचित मामलों में अधिक समय मांगने की स्वतंत्रता दी।

एससी की पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे शीर्ष अदालत के समक्ष लंबित याचिकाओं पर फैसलों पर निर्भर करेंगे। शीर्ष अदालत ने 22 अगस्त, 2022 को एसईसी और महाराष्ट्र सरकार को राज्य में स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह 2022 में राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव बंठिया आयोग की रिपोर्ट से पहले मौजूद ओबीसी आरक्षण के साथ कराए। गांव स्तर पर लोकतंत्र को विफल नहीं किया जा सकता।

अदालत ने कहा कि यह मामला गंभीर है क्योंकि कुछ संस्थानों में पिछले पांच साल से चुनाव नहीं हुए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन.के. सिंह की पीठ ने 4 महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया है। इसलिए राज्य में अब स्थानीय निकाय चुनाव पहले की तरह ओबीसी आरक्षण के साथ होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पहले दिसंबर 2021 में ओबीसी आरक्षण के लिए 'ट्रिपल टेस्ट' पूरा करने का निर्देश दिया था। इसके बाद बंठिया आयोग की स्थापना की गई, लेकिन इसकी रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिकाओं के कारण चुनाव में देरी हुई। इस निर्णय से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

राज्य में मुंबई, ठाणे, भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर, नासिक, नागपुर, लातूर, सोलापुर सहित 26 नगर निगमों में चुनाव होंगे।

उल्हासनगर में राजनीतिक माहौल गरमाया

उल्हासनगर मनपा के चुनाव भी प्रलंबित होने से पूर्व नगरसेवक व इच्छुक युवा नेताओं में चुनाव कब होंगे इसको लेकर कशमकश चल रही थी जो इस आदेश के बाद अब उन्हें चुनाव की उम्मीद नजर आ रही है। वहीं शहर की खस्ता हालत को देखते हुए नागरिकों का चुनाव से विश्वास उठ सा गया है। अब क्या चुनाव सितंबर में होंगे या दीवाली बाद यह तो आने वाला समय ही बताएगा फिलहाल राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है और पूर्व नगरसेवक व राजनीतिक पक्ष के नेता फिरसे सक्रिय हो गए हैं।

बारवी डैम में 37.20% पानी

- 15 जुलाई तक का पानी शेष

- गत वर्ष के मुकाबले 1% अधिक पानी

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. ठाणे जिला की प्यास बुझाने वाले बारवी डैम में 15 जुलाई तक का पानी है. विदित हो कि ये डैम एमआईडीसी की देखरेख में है. इस डैम में अभी 37.20% पानी है. गत वर्ष इसी महिने में बारवी डैम में 36.52% पानी शेष था. गत वर्ष के मुकाबले में इस वर्ष 1% ज्यादा पानी है.

गत कुछ दिनों से अंबरनाथ, बदलापुर, मुरबाड में गरमी का पारा बढ़ा हुआ है. 40 डिग्री से भी ज्यादा पारा होने के कारण पानी में कमी हो रही है. इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए कई शहरों में पानी कटौती की जा रही है. बारवी डैम से ठाणे जिले के कई महापालिका, नगर परिषद को जलापूर्ति की जाती है. अंबरनाथ, बदलापुर नपा, उल्हासनगर महापालिका के अलावा, ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, मीरा भाइंदर, नवी मुंबई के साथ एमआईडीसी क्षेत्र की कंपनियों को जलापूर्ति की जाती है. बारवी डैम की ऊंचाई पहले 68.80 थी, जो अब बढ़ा कर 76.22 कर दी गई है. लेकिन 72.60 तक पानी ओवरफ्लो होने लगता है. 16 सितंबर 2024 को बारवी डैम पूरा भर गया था. इस डैम में 340 मिलियन क्युबिक मीटर पानी जमा होता है. डैम में 15 जुलाई तक का पानी है. लेकिन बड़े पाइप से पानी का बह जाना, पानी की चोरी से मजीप्रा, जलापूर्ति विभाग परेशान है.

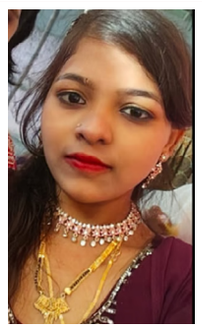

केडीएमसी के रुक्मिणीबाई अस्पताल की लापरवाही उजागर
4 घंटे बाद पहुंची एम्बुलेंस, महिला की मौत?

- परिजनों का आरोप - 5 घंटे तक बिना इलाज के पड़ी रही महिला मरीज

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के रुक्मिणीबाई अस्पताल में एक बार फिर एम्बुलेंस के अभाव में एक महिला की मौत हो गई। 43 वर्षीय सविता गोविंद विराजदार के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया है कि एम्बुलेंस न मिलने के कारण उनकी मौत हो गई। सविता विराजदार कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी इलाके में रहती थीं। उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें इलाज के लिए रुक्मिणीबाई अस्पताल लाया गया। लेकिन अस्पताल में डॉक्टर के अनुपस्थित होने के कारण महिला को उपचार के लिए कलवा अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई।

रिश्तेदारों ने एम्बुलेंस की तलाश की। लेकिन दुर्भाग्यवश, महिला के रिश्तेदारों को कल्याण-डोंबिवली मनपा या निजी एम्बुलेंस नहीं मिल सकी। इस बीच, 4 घंटे बाद एम्बुलेंस पहुंची। लेकिन एम्बुलेंस चालक ने कहा कि वह एक मरीज को नहीं ले जा सकता. महिला के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया है कि महिला को बिना इलाज के अस्पताल में रखा गया. पांच घंटे तक बिना इलाज के अस्पताल में रखे जाने के बाद महिला की अंततः मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक महिला के परिजनों ने न्याय की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि महिला की मौत अस्पताल की लापरवाही के कारण हुई है।

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप पगारे ने बताया कि महिला के बच्चों को 108 नंबर पर एंबुलेंस नहीं मिली। इसलिए वे असमंजस में थे कि उसे 108 एंबुलेंस से ले जाएं या निजी एंबुलेंस से। इसके कारण महिला को दूसरे अस्पताल में भर्ती कराने में देरी हुई। दुर्भाग्य से महिला की मौत हो गई। हम इस मामले की कानूनी जांच कर कार्रवाई करेंगे।

अंबरनाथ, उल्हासनगर में 24 घंटे बंद रहेगा पानी

- गुरुवार रात 12 से शुक्रवार रात 12 तक नहीं होगी जलापूर्ति

अंबरनाथ. अंबरनाथ, बदलापुर एवं उल्हासनगर शहर में गुरुवार से शुक्रवार तक 24 घंटे पानी बंद रहेगा. 24 घंटे बाद धीमी रफ्तार से पानी आगो. ऐसी जानकारी अंबरनाथ महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल स्थापत्य विभाग के कार्यकारी अभियंता ने 5 मई को आयुक्त उल्हासनगर महापालिका, मुख्याधिकारी अंबरनाथ नगर परिषद को पानी बंद रहने की सूचना दी है.

महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के जांभुल जलशुद्धीकरण केंद्र एवं बारवी डैम के गुरुतत्व पानी लाइन ऊंचाई से नीचे की ओर बिना किसी पंप के बहने वाले पाइप लाइन की दुरुस्ती व देखभाल के लिए गुरुवार रात 12 बजे से शुक्रवार रात 12 बजे तक 24 घंटे जलापूर्ति बंद रहेगी. जिसके कारण अंबरनाथ. अति. अंबरनाथ बदलापुर औद्योगिक क्षेत्र, उल्हासनगर महानगर पालिका, अंबरनाथ नगर परिषद, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण परिसर के ग्राम पंचायत और अन्य नागरिक बस्तियों को जलापूर्ति बंद रहने की घोषणा की गई है.

शराब के लिए पैसे न देने पर मारपीट

19 वर्षीय लड़की की मौत, 5 गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण पश्चिम के इंदिरा नगर परिसर में शराब के लिए पैसे न देने पर विवाद होने पर पड़ोसियों की पिटाई कर दी गई। पिता-पुत्र ने अपने साथियों के साथ मिलकर पड़ोसी दम्पति और 19 वर्षीय युवती की पिटाई कर दी। जिसके बाद 19 वर्षीय लड़की की मौत हो गई. इस मामले में मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुलाम शेख अपने बेटे अब्दुल शेख व परिवार के साथ कल्याण पश्चिम के इंदिरानगर इलाके में रहते हैं। गुलाम शेख, उनके बेटे अब्दुल और उनके साथियों शोएब, अजीज और शाहिद का अपने पड़ोसियों के साथ शराब के लिए पैसे न देने को लेकर झगड़ा हो गया। फिर पड़ोसियों को लकड़ी के डंडों से पीटा गया। इस हमले में 19 वर्षीय सानिया सैयद की मौत हो गई।

निसार सैयद अपनी पत्नी और बेटी के साथ इंदिरानगर में रहते हैं। गुलाम शेख सोमवार रात सब्जी का कारोबार करने वाले निसार के घर आया। उसने निसार से शराब के लिए पैसे मांगे। जैसे ही उसने पैसे देने से इनकार किया, दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।

गुलाम शेख अपने बेटे और दोस्तों के साथ निसार के घर में घुस गया और उसकी पिटाई कर दी। पिटाई के दौरान निसार की पत्नी जुलेखा और बेटी सानिया झगड़ा रोकने आईं। उनके साथ मारपीट भी की गई। हमले में गंभीर रूप से घायल सानिया की मौत हो गई। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है - गुलाम शेख, अब्दुल शेख, शोएब शेख, अजीज शेख और शाहिद शेख।

ट्रांजिट कैंप के लिए मनपा आयुक्त से गुहार

उल्हासनगर. पिछले कुछ वर्षों में शहर में 38 इमारतें ढह गईं, जिनमें 42 नागरिकों की मौत हो गई। भाजपा नेता राजेश वढारिया ने भी खेद व्यक्त किया कि ढही इमारत में रहने वाले सैकड़ों नागरिक बेघर हो गए हैं और मनपा ने उनके लिए कोई ट्रांजिट कैंप नहीं बनाया है। उन्होंने आयुक्त मनीषा आव्हाले से मुलाकात कर इस संबंध में एक बयान सौंपा है।

उल्हासनगर महानगरपालिका में महीने के पहले सोमवार को लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया जाता है। लोकशाही दिवस के अवसर पर, मनपा के पूर्व स्थायी समिति के अध्यक्ष राजेश वधारिया, पूर्व नगरसेवक सतरामदास जेसवानी और अन्य भाजपा पार्टी के सहयोगियों ने आयुक्त मनीषा अव्हाले से मुलाकात की। उन्होंने शहर में खतरनाक इमारतों का मुद्दा उठाया और बताया कि इससे पहले 38 इमारतें ढह चुकी हैं, जिनमें 42 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, यह कहा गया कि ढही हुई इमारत में बेघर नागरिकों को अभी तक उनके हक का घर नहीं मिला है। वढारिया ने आयुक्त से खुनी खड्डा में डेढ़ एकड़ भूमि पर बेघर नागरिकों के लिए एक ट्रांजिट कैंप स्थापित करने की भी मांग की। शहर में खतरनाक इमारतों की समस्या जस की तस बनी रही और ढही हुई खतरनाक इमारतों का पुनर्निर्माण नहीं किया गया। वधारिया ने इस बारे में कमिश्नर अव्हाले को भी जानकारी दी. आगामी मानसून के मौसम में आपातकालीन स्थिति के लिए नगर निगम को एक ट्रांजिट कैम्प की व्यवस्था करनी चाहिए।

रिक्शा चोरी मामले में नाबालिग धराया, मुख्य आरोपी फरार

अंबरनाथ. उल्हासनगर-5 में हुई रिक्शा चोरी का मामला अंबरनाथ शिवाजी नगर पुलिस ने हल कर लिया है. एक नाबालिग चोर को पुलिस ने पकड़ा है. मुख्य आरोपी अभी भी फरार है. पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

कैम्प-5 स्थित गायकवाड़ पाड़ा निवासी सकेत प्रियानंद गायकवाड़ ने शिवाजी नगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 29 अप्रैल को गायकवाड़ पाड़ा समाज मंदिर, सार्वजनिक हॉल के सामने उन्होंने अपनी रिक्शा को खड़ा किया था. रात के समय चोरों ने उनकी रिक्शा को चोरी कर लिया है. सिकायत दर्ज कराने के बाद शिवाजी नगर पुलिस ने जांच शुरू की. गुप्त जानकारी के अनुसार एक संदिग्ध चोर को पुलिस ने अपनी गिरफ्त में लिया है. रिक्शा भी पुलिस के हाथ लगी है. ऐसी जानकारी पुलिस विभाग द्वारा दी गई है. मुख्य चोर अभी भी फरार है. अंबरनाथ में गत कई महिनों से बाइक, आटो चोरी हो रही है. इसका एक कारण ये भी है कि रिक्शा चालक अथवा मालिक खुली जगह सार्वजनिक स्थानों पर रात में रिक्शा खड़ी करके चले जाते हैं. यहां पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं होते हैं.

उत्पाती बंदर आखिरकार पकड़ा गया

अंबरनाथ. हाजीमलंग की तलहटी में स्थित उसाटने गांव की सीमा में पिछले कुछ दिनों से बंदर घूम रहे हैं। ये बंदर गांव में घुसकर तोड़फोड़ करने, लोगों को काटने जैसी हरकतें कर रहा था. वन विभाग ने बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरे लगाए थे। अंततः बंदर को पकड़ लिया गया। उसे हाजीमलंग जंगल में छोड़ दिया गया है।

अंबरनाथ तालुका में हाजीमलंग नामक एक बड़ी पर्वत श्रृंखला है। प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ यहां प्रचुर मात्रा में वन्य जीवन भी है। इस जंगल के विभिन्न क्षेत्रों में तेंदुए रहते देखे गए। जनवरी और फरवरी के बाद इन पहाड़ों पर हरियाली कम होने लगती है। वहीं कई लोग शिकार के लिए इस पहाड़ पर आग लगाने की कोशिश करते हैं। साथ ही, पशुओं के लिए आवश्यक भोजन और पानी कम होता जा रहा है। इसलिए जंगली जानवर अपना ध्यान शहर की ओर मोड़ लेते हैं।

इससे पहले, तेंदुओं और बंदरों के झुंड शहर की ओर आते देखे गए थे। कुछ दिन पहले, बंदरों का एक समूह हाजीमलंग की तलहटी में स्थित उसाटने गांव की सीमा के भीतर घूमता देखा गया था। इनमें से एक बंदर घरों पर कूद रहा था और घरेलू सामान नष्ट कर रहा था। बंदर कुछ लोगों पर हमला भी कर रहे थे और बच्चों को काट रहे थे। इसलिए ग्रामीणों ने स्थानीय ग्राम पंचायत और वन विभाग से इसकी शिकायत की थी।

पैसों की लेन-देन पर वारिंगे की पिटाई

उल्हासनगर-5 की घटना

उल्हासनगर. हिललाईन पुलिस में मामला दर्जघटना सीसीटीवी में कैदघायल सेंट्रल अस्पताल में भर्तीउल्हासनगर 5 इलाके में आज दोपहर को पैसे के लेन-देन को लेकर पालेगांव निवासी विकास वारिंगे की बेरहमी से पिटाई की घटना हुई और पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

विकास वारिंगे और पालेगांव निवासी अनिल बांगर के बीच पैसे के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ। इसी विवाद के चलते जब विकास कैंप 5 मछी मार्केट के पास चाय पी रहा था, तभी अनिल बांगर दोपहिया वाहन पर वहां आया और विकास की बेरहमी से पिटाई कर दी। पूरी घटना वहां मौजूद सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और इस मारपीट में विकास के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। उसे इलाज के लिए उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में हिललाइन पुलिस स्टेशन में अनिल बांगर के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

FDA की गुटखा विक्रेताओं पर कार्रवाई

- 9 लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज
- डेढ़ लाख रुपये से अधिक का माल जब्त

कल्याण. डोंबिवली पूर्व के स्टार कॉलोनी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के प्रतिबंधित गुटखा का स्टॉक करने और इसे क्षेत्र के पान टपरी संचालकों को बेचने वाले स्टॉकहोल्डर्स और पान टपरी संचालकों सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त की विशेष टीम और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफडीए) के अधिकारियों द्वारा की गई। पुलिस ने इन दुकानदारों के खिलाफ खाद्य एवं औषधि प्रशासन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इसके अलावा, एक पान मसाला स्टॉकिस्ट के गोदाम से 1.5 लाख रुपये से अधिक मूल्य का प्रतिबंधित गुटखा जैसा पान मसाला जब्त किया गया है।

मानपाड़ा थाने के कांस्टेबल सदाशिव देवरे की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला के स्टॉकिस्ट और विक्रेता मनु शेठ गुजराती, स्टार कॉलोनी के पान टप्पारी संचालक घिसारा, मानपाड़ा में ललित कट्या के पास मोनू पानवाला, छोटू पानवाला, बबलू पानवाला और चार अन्य पान टप्पारी संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे के नेतृत्व में एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को डोंबिवली पूर्व के स्टार कॉलोनी क्षेत्र में कुछ पान टपरी संचालकों द्वारा प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाला बेचने की सूचना मिली थी। यह भी बताया गया कि इसकी बड़ी मात्रा का भण्डारण कर लिया गया था।

जब टीम के प्रमुख सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल गायकवाड़ को इस सूचना पर यकीन हुआ तो उन्होंने ठाणे में खाद्य एवं प्रशासन विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को यह जानकारी दी। दोनों विभागों के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से स्टार कॉलोनी स्थित लक्ष्मण स्मृति भवन के कमरा नंबर पांच के सामने वाले क्षेत्र में छापेमारी की। गोदाम में कुल एक लाख 59 हजार रुपये मूल्य के सरकारी प्रतिबंधित विमल पान मसाला, राजश्री पान मसाला, सुगंधित पान मसाला, कोल्हापुरी पान मसाला, जाफरानी और राजनिवास पान मसाला मिला। यह स्टॉक स्टॉकधारक से चुराया जा रहा था और डोंबिवली में पत्ता दुकानदारों को बेचा जा रहा था। घिसारा चौधरी ने पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों को बताया कि गुटखा के पैकेट तंबाकू विक्रेताओं को मांग के आधार पर बेचे जा रहे हैं। पुलिस ने गिरोह से प्रतिबंधित गुटखा का सारा स्टॉक जब्त कर लिया है। प्रतिबंधित सुपारी, गुटखा और पान मसाला बेचने के आरोप में कुल नौ लोगों के खिलाफ खाद्य एवं सुरक्षा मानक अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। यह ऑपरेशन कांस्टेबल राहुल शिंदे, अमित शिंदे और कुशल नेरक की टीम द्वारा अंजाम दिया गया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

घर की चौखट तक असुरक्षित

समाज में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने के लिए कई कड़े कानून बनाए गए हैं, जागरूकता कार्यक्रमों के समांतर महिला सशक्तीकरण के लिए कार्यक्रम चलाए जाते हैं। मगर आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं तरह-तरह से हिंसा का शिकार हो रही हैं। अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों और विकास के दावों के बीच ऐसा क्या है जो हमारे समाज में स्त्रियों के प्रति दृष्टिकोण और मानस को मानवीय बना पाने में बाधक बना हुआ है।

महिलाओं के खिलाफ घर से बाहर होने वाले अपराध निश्चित रूप से बेहद गंभीर समस्या हैं, लेकिन इससे त्रासद क्या होगा कि आज भी हमारे परिवारों के ढांचे और व्यवहार में ऐसा बदलाव नहीं आ सका है, जो कम से कम घरों की चारदीवारी के भीतर महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। राष्ट्रीय महिला आयोग ने अपनी ताजा रपट में बताया है कि इस वर्ष उसे अब तक सात हजार छह सौ अट्ठानबे शिकायतें मिली हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या घरेलू हिंसा, मारपीट और आपराधिक धमकी की है।

सवाल है कि लंबे समय से चलाए जा रहे स्त्री-पुरुष समानता और महिला सशक्तीकरण संबंधी कार्यक्रमों और अभियानों की दिशा क्या रही है कि आज भी बड़ी संख्या में महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है। यह समझना मुश्किल है कि किन्हीं वजहों से पिछड़ गए समुदायों ही नहीं, आमतौर पर पढ़े-लिखे, सुसभ्य कहे जाने वाले लोगों के भीतर भी महिलाओं के खिलाफ अनेक दुराग्रह और संकीर्णताएं क्यों पलती रहती हैं।

यह न केवल समाज के स्तर पर एक बड़ी नाकामी का सबूत, बल्कि कानून-व्यवस्था के भी कमजोर होने का सूचक है। समाज में आपराधिक सोच कब हिंसक शक्ल अख्तियार कर लेती है, यह किसी को पता नहीं चलता। जाहिर है, महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर लगाम लगाने के लिए बने कानूनों को जहां सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है, वहीं सबसे ज्यादा जोर लोगों की सोच में बदलाव पर भी दिया जाना चाहिए, जिसकी वजह से कोई व्यक्ति या उसका परिवार महिला से संवाद करने के बजाय हिंसक रुख अपना लेता है।

महिला सशक्तीकरण का नया अध्याय

भारतीय स्टेट बैंक की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से अप्रैल 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना यानी पीएमएमवाई ने पिछले एक दशक में भारतीय महिलाओं के जीवन पर अभूतपूर्व प्रभाव डाला है। यह रिपोर्ट बताती है कि मुद्रा योजना के प्रभाव से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के ऋण प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना को आरंभ करने का मूल उद्देश्य माइक्रोफाइनेंस ऋण को औपचारिक रूप देते हुए हाशिए पर खड़े लोगों को सहजता से ऋण प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराना था। इन दस वर्षों में मुद्रा योजना ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार देने में ही अपनी भूमिका नहीं निभाई, बल्कि महिला सशक्तीकरण की एक नवीन पटकथा भी लिखी है। यह निर्विवाद है कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तब तक सुदृढ़ नहीं हो सकती, जब तक कि उसमें आधी आबादी की सहभागिता न हो। इसमें दोराय नहीं कि विगत दशक में देश में मजबूत सरकारी नीतियों एवं योजनाओं का ढांचा निर्मित किया गया है, जिससे न केवल भारत की अर्थव्यवस्था की मूल विशेषता यानी कुटीर एवं लघु उद्योगों को बल मिला है, बल्कि देश की आधी आबादी भी आर्थिक सशक्तता का नवीन अध्याय लिखने को उन्मुख हुई है। एमएसएमई क्षेत्र न केवल आर्थिक विकास की गति को तीव्रता देते हैं, अपितु वे महिला सशक्तीकरण के महत्वपूर्ण वाहक भी हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना,

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया भारत की अर्थव्यवस्था को एक सुदृढ़ ढांचा प्रदान कर रहे हैं, जिससे एमएसएमई क्षेत्र भारत की आर्थिक प्रगति की आधारशिला बनकर उभरा है।

हाल के वर्षों में राष्ट्रीय आर्थिक उत्पादन में एमएसएमई की हिस्सेदारी 2021-22 के 28.6 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 30.01 प्रतिशत हो गई, जो अर्थव्यवस्था में इसकी बढ़ती भूमिका को उजागर करती है। एमएसएमई से निर्यात में भी पर्याप्त बढ़ोतरी देखी गई है, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 3.95 लाख करोड़ से बढ़कर 2024-25 में 12.39 लाख करोड़ हो गई। एमएसएमई के लिए मुद्रा योजना एक जीवनरेखा बनकर उभरी है। बीते वर्ष जारी अपनी एक रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी पुष्टि की थी कि पीएमएमवाई जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमिता के लिए भारत का सक्षम नीतिगत परिवेश ऋण तक पहुंच के माध्यम से स्वरोजगार बढ़ाने में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात है एमएसएमई में देश की महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति। इसका सबसे बड़ा कारक उनकी ऋण तक सहज पहुंच का होना है। एसबीआइ की रिपोर्ट बताती है कि बैंक के कुल ऋण में एमएसएमई की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-14 में 15.8 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में लगभग 20 प्रतिशत हो गई। इस विस्तार ने छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्र में व्यवसायों को वित्तीय सहायता तक पहुंचने में सक्षम बनाया, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था सशक्त हुई है। मुद्रा योजना के कुल लाभार्थियों में 68 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो देश भर में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्योगों को आगे बढ़ाने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2015-16 से 2024-25 के बीच प्रति महिला प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की वितरण राशि वर्ष दर वर्ष 13 प्रतिशत से बढ़कर 62,679 रुपये तक पहुंच गई, जबकि प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि वर्ष दर वर्ष 14 प्रतिशत बढ़कर 95,269 रुपये हो गई।

आखिर महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यम क्यों आर्थिकी के मजबूत चालक के रूप में देखे जा रहे हैं? इसका उत्तर वर्ल्ड इकोनमिक फोरम की 'एडवांसिंग जेंडर पैरिटी इन आंत्रप्रेन्योरशिप स्ट्रैटेजी फार ए मोर इक्वेटेबल फ्यूचर' नामक रिपोर्ट देती है। उसके अनुसार महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय विविध दृष्टिकोण लाते हैं, समावेशी नेतृत्व को बढ़ावा देते हैं और अक्सर सामाजिक एवं पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए नवीन दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। महिलाओं का आर्थिक स्वावलंबन न केवल विकास को गति देता है, अपितु निर्धनता और असमानताओं को भी कम करता है। इतना ही नहीं, बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार करता है।

नम्रता इस बात का चिह्न है कि हम जान गए हैं कि हमारे अंदर एक उच्चतर सत्ता मौजूद है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हादसों से सबक क्यों नहीं लेता समाज?

धार्मिक स्थलों, आयोजनों, उत्सवों में भीड़ को नियंत्रित न कर पाने, आवागमन का समुचित प्रबंध न होने से अक्सर भगदड़ मचने, दम घुटने आदि से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने, घायल हो जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर हैरानी की बात है कि उनसे कोई सबक नहीं लिया जाता। यहां तक कि उन्हीं जगहों पर दुबारा वैसे ही हादसे होते देखे जाते हैं। गोवा के एक मंदिर में हुआ हादसा इसका ताजा उदाहरण है। शनिवार को उस मंदिर उत्सव में भगदड़ मचने से छह लोग दब कर मर गए, जबकि सत्तर लोग घायल हो गए।

घटना की प्राथमिक जांच से पता चला है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां गली संकरी और रास्ता ढलान वाला था। ढलान पर खड़े कुछ लोग असंतुलित होकर नीचे गिरे, जिससे भगदड़ मची और छह लोग दब कर मर गए। बताया जा रहा है कि उसी जगह ऐसी ही घटना पिछले वर्ष भी हुई थी, मगर गनीमत है कि उसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया, लोगों से अपील की थी कि वे आगे न बढ़ें, मगर वे नहीं माने और यह घटना घट गई।

हालांकि घटना का असल कारण जांच रपट आने के बाद पता चल

पाएगा, मगर प्राथमिक तथ्यों से जाहिर है कि मंदिर प्रबंधन भीड़ पर काबू करने में विफल रहा। वहां चालीस से पचास हजार लोग इकट्ठा हो गए बताए जा रहे हैं। हालांकि यह कोई नया अनुभव नहीं है। ज्यादातर धार्मिक आयोजनों में हुए हादसों के पीछे मुख्य वजह उनके आयोजकों की लापरवाही होती है।

कायदे से किसी भी आयोजन से पहले उसकी तैयारियों के बारे में पुलिस को बताना होता है, फिर वह उसी के मुताबिक सुरक्षा इंतजाम करती है। मगर ज्यादातर ऐसे आयोजनों में इसे लेकर लापरवाही बरती जाती है और मान लिया जाता है कि श्रद्धालु स्वयं नियंत्रित व्यवहार करेंगे। पर, ऐसा हो नहीं पाता।

अधिकतर मंदिरों, धार्मिक स्थलों के आसपास की जगहें संकरी हैं। जो मंदिर जितना पुराना है, वहां श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए उतनी ही कम जगह देखी जाती है। फिर, उन रास्तों पर फूल-माला-प्रसाद आदि बेचने वाले अपनी दुकानें लगा कर रास्तों को और संकरा बना देते हैं। गोवा के मंदिर में भी यही स्थिति देखी गई। ऐसे में, जब अफरा-तफरी मचती है, किसी वजह से लोग अनियंत्रित होते हैं, तो उसमें लोगों के मारे जाने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे तथ्य आमतौर पर मंदिर के प्रबंधकों, उत्सव आयोजित करने वालों से छिपे नहीं होते। जब उन्हें पता होता है कि श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, तो उनके प्रवेश करने और निकलने का समुचित प्रबंध क्यों नहीं किया जाता। हादसे के लिहाज से संवेदनशील जगहों पर स्वयंसेवकों को क्यों खड़ा नहीं किया जाता, जो श्रद्धालुओं को सतर्क रह कर आगे बढ़ने का निर्देश दें।

ऐसी घटनाओं को रोकने में कामयाबी न मिल पाने, आयोजकों, मंदिर प्रबंधकों को जिम्मेदार न बना पाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि ऐसे हादसे हो जाने के बाद प्रायः उनकी जवाबदेही तय नहीं की जाती है। आखिरकार पुलिस की जिम्मेदारी बनती है कि वह किसी भी आयोजन में सुरक्षा मानकों की किसी भी रूप में अनदेखी को रोके। मगर हर हादसे के बाद जैसे इस तकाजे को भुला दिया जाता है।

एलियंस से मिलकर लौटे शख्स का अजीब दावा

दुनिया के अंत को लेकर अक्सर भविष्यवाणियां की जाती रही हैं. कोई एस्टेरॉयड के टकराने से तबाही की बात

जरा हट के

करता है, तो कोई अन्य वजह से दुनिया के खात्मे का कयास लगाता है. लेकिन हाल ही में एक ऐसे शख्स का वीडियो सामने आया है, जिसने दो बार एलियंस से मुलाकात की. पहली बार जहां एलियंस ने उसे किडनैप किया था, तो दूसरी बार ये शख्स एलियंस के साथ खुद गया. अमेरिका में इस बात की तब खूब चर्चा भी हुई थी. वैज्ञानिकों ने भी इस मामले में कुछ नहीं कहा था. लेकिन इस शख्स ने पुराने इंटरव्यू में बताया कि एलियंस ने दुनिया के अंत की बात कही. साथ ही बताया कि कैसे इंसान खुद अपने लिए तबाही लाएंगे, जो रोंगटे खड़े करने वाली है. इस शख्स का नाम कैल्विन पार्कर था, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे. कैल्विन अमेरिका के मिसिसिपी के रहने वाले थे.

उनके दावे ने लोगों को डरा दिया है. हम आपसे कैल्विन के दावों के बारे में बात करें, उससे पहले उनका एलियंस से कैसे सामना हुआ यह बतला देते हैं.

बात 11 अक्टूबर 1973 की है. मिसिसिपी की पास्कागौला नदी के किनारे खड़े कैल्विन पार्कर की ज़िंदगी उस वक्त पलट गई, जब उनका एलियंस से सामना हुआ. कैल्विन के साथ वहां पर चार्ल्स हिक्सन और मारिया ब्लेयर भी मौजूद थे. इन लोगों ने आसमान से उतरते हुए नीली चमकती लाइट्स और यूएफओ देखे, जो उन्हें अपने साथ ले गए. वापस लौटने के बाद चार्ल्स हिक्सन इस बारे में लगातार बात करते रहे, बाकी दोनों डरे हुए थे. लेकिन कैल्विन को 19 साल बाद यानी 1992 में लुइसियाना के बाल्डविन में वो एलियंस दोबारा मिले. इंटरव्यू में कैल्विन ने दावा किया कि इस बार वे खुद एलियंस के यूएफओ में गए, जहां एलियंस ने दुनिया और धरती की तबाही को लेकर चौंकाने वाली बात कही. कैल्विन ने दावा किया कि एक एलियन ने बताया कि इंसान अपनी गलतियों से दुनिया को खत्म कर देंगे. हाल ही में लेखक फिलिप मेंटल (Phillip Mantle) ने कैल्विन का यह पुराना इंटरव्यू खोजा, जिसमें ये सनसनीखेज खुलासा हुआ. इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया.

ब्रेड चीला

ब्रेड चीला बहुत टेस्टी, पौष्टिक और जल्दी बनने वाला नाश्ता है, जो ईवनिंग स्नैक्स के लिए परफेक्ट है। यह स्नैक बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है। अगर आपके पास समय कम है और आप कुछ टेस्टी खाना चाहते हैं, तो ब्रेड चीला एक बेहतरीन ऑप्शन है। इसे बनाने में बहुत कम चीजों की जरूरत होती है और यह कुछ ही मिनटों में तैयार हो जाता है। आइए जानते हैं ब्रेड चीला बनाने की आसान रेसिपी।

सामग्री :

- 4-5 ब्रेड स्लाइस
- 1/2 कप बेसन
- 1 छोटी कटोरी दही
- 1 हरी मिर्च
- 1 छोटा चम्मच अदरक
- 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- स्वादानुसार नमक
- हरा धनिया
- तेल या घी

विधि :

सबसे पहले ब्रेड के किनारों को हटा दें और ब्रेड के स्लाइस को मिक्सर में डालकर बारीक पीस लें। अगर मिक्सर नहीं है, तो ब्रेड को हाथ से भी छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ सकते हैं। एक बड़े कटोरे में

बेसन लें और उसमें दही डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें पिसी हुई ब्रेड, हरी मिर्च, अदरक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, जीरा और नमक डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर घोल तैयार करें। ध्यान रखें कि घोल ज्यादा पतला न हो, नहीं तो चीला बनाने में दिक्कत होगी। लास्ट में हरा धनिया मिलाकर घोल को 5 मिनट के लिए रख दें। अब एक नॉन-स्टिक तवा गर्म करें और उस पर थोड़ा तेल या घी डालें और मध्यम आंच पर तवा गर्म होने दें। अब एक बड़ा चम्मच घोल को गोलाकार में तवे पर फैला दें। चीले को धीमी आंच पर सुनहरा होने तक पकाएं। एक तरफ पक जाने पर चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी अच्छी तरह पकाएं। दोनों तरफ से क्रिस्पी होने पर गैस बंद कर दें। गर्म-गर्म ब्रेड चीला को हरी चटनी, टमाटर की चटनी या दही के साथ परोसें।

मिट्टी के बर्तन में खाना पकाने के लाभ

आयुर्वेद के अनुसार, भोजन को धीमी आंच में पकाना ही सबसे बेहतर तरीका है. मिट्टी के बर्तनों में खाना धीरे-धीरे पकता है, जिससे इसमें मौजूद सभी जरूरी पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं. जबकि प्रेशर कुकर में तेज भाप और दबाव के कारण ऐसा नहीं होता है. प्रेशर कुकर में खाना बनने के दौरान 87 फीसदी तक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, लेकिन मिट्टी के बर्तनों में ये 100 फीसदी तक सुरक्षित रहते हैं. साथ ही भोजन में मौजूद सभी प्रोटीन शरीर को खतरनाक बीमारियों से सुरक्षित रखते हैं.

खाने का स्वाद बढ़ाता है मिट्टी का बर्तन

मिट्टी के बर्तन भारत में पारंपरिक रूप से सदियों से उपयोग में लाए जा रहे हैं. मिट्टी के बर्तन अन्य धातुओं के बर्तनों की तुलना में आज भी काफी सस्ते होते हैं. विभिन्न आकारों, डिजाइनों और रंगों में ये बर्तन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल जाते हैं. मिट्टी के बर्तनों में पकाया हुआ खाना न केवल स्वास्थ्यवर्धक होता है, बल्कि इसका स्वाद भी लाजवाब होता है. सौंधी खुशबू और मसालों का मेल एक ऐसा जायका तैयार करता है जिसे कोई भी भूल नहीं सकता. खाने के हर निवाले को यह खास बना देता है, या यूं कहें तो खाने के स्वाद को दो गुना कर देता है. आज के दौर में मिट्टी के बर्तन केवल सेहत के लिहाज से ही नहीं, बल्कि सजावट और पारंपरिकता के लिए भी पसंद किए जा रहे हैं. खूबसूरत कलाकारी से सजे ये बर्तन किचन और डाइनिंग टेबल को एक देसी और आकर्षक रूप देते हैं. सुबह की चाय कुल्हड़ में हो या ठंडा पानी मटकी में, इसका अनुभव अलग ही होता है.

सेहत के लिए फायदेमंद है मिट्टी के बर्तन

इस इंसान को हर रोज 18 प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्वों की जरूरत होती है. ये पोषक तत्व मुख्य रूप से मिट्टी से प्राप्त होते हैं. दूसरी तरफ, एल्युमीनियम के बर्तनों में पकाया गया खाना इन पोषक तत्वों को नष्ट कर देता है. इतना ही नहीं, यह टीबी, डायबिटीज, अस्थमा और पैरालिसिस जैसी कई गंभीर बीमारियों का कारण भी बन जाता है. कांसे और पीतल के बर्तन में भी खाना बनाने से कुछ पोषक तत्व नष्ट होते हैं. खाना पकाने के लिए लेकिन सबसे सुरक्षित और लाभदायक मिट्टी के बर्तन ही हैं.

वर्तमान समय में आधुनिक मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल माइक्रोवेव में भी किया जाता है, जिससे इन्हें पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के किचन में इस्तेमाल करना संभव है. हालांकि इनका सीधा तेज ताप में इस्तेमाल न करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इनकी ऊष्मा सहन करने की क्षमता अन्य धातुओं से कम होती है. मिट्टी के बर्तनों में अगर आप दही भी जमाते हैं, तो इनका स्वाद कई गुना बढ़ जाता है. गरमा-गरम दूध भी जब मिट्टी की हांडी में डाला जाता है, तो उसमें एक अलग ही सौंधापन आ जाता है.

पूरियां तलने पर हमेशा भर जाता है तेल?

पूरियां तलते समय कई बार पूरियों में तेल भर जाता है. जिसके बाद ज्यादातर लोग पूरी खाना पसंद नहीं करते हैं. ऐसे में आप कुछ टिप्स को फॉलो करके पूरियों में तेल भरने की इस दिक्कत से निजात पा सकते हैं और मुलायम फूली हुई परफेक्ट पूरियां बना सकते हैं.

1. आटे में मोइन डालें

पूरी के लिए आटा गूंथते समय सूखे आटे में थोड़ा सा घी या तेल मिलाएं. इससे पूरियां मुलायम बनती हैं और तलने के समय फटती भी नहीं हैं, जिससे इनमें अधिक तेल नहीं भरता है. साथ ही पूरी का आटा गूंथते समय ध्यान दें कि आटा बहुत ज्यादा गीला न हो. इससे कड़ाही में डालने के बाद पूरियां फटेंगी नहीं हैं और इनमें तेल भी अधिक नहीं भरेगा.

2. आटे को सेट होने दें

आटे को गूंथने के बाद फौरन इसकी पूरी न बनाएं, इससे पूरियां बेलते और फ्राई करते समय फटने की दिक्कत हो सकती है. इसके चलते पूरियों में तलते समय तेल भरने लगता है. ऐसे में जरूरी है कि आटे को गूंथने के बाद इसको कुछ देर के लिए ढक कर रखें और सेट होने दें. इसके बाद पूरी बनाने से ये फटती नहीं हैं और इसमें तेल भी नहीं भरता है.

3. पलेथन इस्तेमाल न करें

पूरियां बेलते समय इसमें

पलेथन यानी सूखा आटा इस्तेमाल न करें. ऐसा इसलिए क्योंकि इससे भी पूरियां फटने लगती हैं और इनमें तेल भर सकता है. अगर आपको बिना आटा इस्तेमाल किये पूरियां बेलने में दिक्कत होती है. तो आप सूखे आटे की जगह तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं. पूरी बेलते समय तेल यूज करने से भी पूरियां मुलायम बनती हैं और फटती भी नहीं हैं और इनमें तेल भी नहीं भरता है.

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा।

वृषभ : आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा। उच्चाधिकारी का ध्यान खुद की तरफ खींच पाएंगे।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें।

मीन : राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज में फायदेमंद हो सकती है अदरक

अदरक सिर्फ चाय के स्वाद को बढ़ाने का काम नहीं करता है. इसके अंदर कई महत्वपूर्ण फायदे मौजूद है, जो शरीर के लिए लाभदायक होते है, अदरक में ऐसे गुण होते हैं जो शरीर की सूजन और दर्द को कम कर सकते हैं. एक नए रिसर्च में पाया गया है कि ऑटोइम्यून बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए सूजन को ठीक करने में अदरक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है.

कई बीमारियों के लिए लाभदायक

एक्सपर्ट ने 'न्यूट्रोफिल' नामक श्वेत रक्त कोशिका के एक प्रकार पर अदरक के प्रभाव का रिसर्च किया. वे विशेष रूप से न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप (एनईटी) गठन में रुचि रखते थे, जिसे नेटोसिस भी कहा जाता है और सूजन को नियंत्रित करने के लिए इसका क्या अर्थ हो सकता है.

जेसीआई इनसाइट जर्नल में प्रकाशित रिसर्च के मुताबिक, स्वस्थ व्यक्तियों के अदरक का सेवन उनके न्यूट्रोफिल को नेटोसिस के प्रति

ज्यादा प्रतिरोधी बनाता है. यह अहम है क्योंकि एनईटी सूक्ष्म मकड़ी के जाले जैसी संरचनाएं हैं, जो सूजन और थक्के को बढ़ाती हैं, जो ल्यूपस, एंटीफॉस्फोलिपिड सिंड्रोम और रुमेटीइड गठिया सहित कई ऑटोइम्यून बीमारियों में योगदान करती हैं.

अदरक नेटोसिस को रोकने में मदद करता है - क्रिस्टन डेमोरुएल

अमेरिका के कोलोराडो स्कूल ऑफ मेडिसिन विश्वविद्यालय में मेडिसिन के एसोसिएट क्रिस्टन डेमोरुएल ने कहा, "ऐसी बहुत सी बीमारियां हैं, जिन में न्यूट्रोफिल असामान्य रूप से अति सक्रिय होते हैं. हमने पाया कि अदरक नेटोसिस को रोकने में मदद कर सकता है. यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक प्राकृतिक पूरक है, जो कई अलग-अलग ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों के लिए सूजन और लक्षणों का इलाज करने में सहायक हो सकता है.₹

क्लीनिकल टेस्ट के दौरान, एक्सपर्ट ने पाया कि हेल्थ वालंटियर्स द्वारा सात दिनों तक अदरक के पूरक के दैनिक सेवन (20 मिलीग्राम जिंजरोल्स/दिन) ने न्यूट्रोफिल के अंदर सीएएमपी नामक एक रसायन को बढ़ावा दिया. सीएएमपी के इन उच्च स्तरों ने विभिन्न रोग-संबंधी उत्तेजनाओं के जवाब में नेटोसिस को रोक दिया.

अदरक खाने के क्या फायदे है?

मिशिगन विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर, एमडी, पीएचडी, वरिष्ठ सह-लेखक, जेसन नाइट ने कहा, रहमारा रिसर्च, पहली बार, जैविक तंत्र के लिए सबूत है जो लोगों में अदरक के स्पष्ट सूजन-रोधी गुणों को रेखांकित करता है.₹

एक्सपर्ट को उम्मीद थी कि अदरक के लाभों के बारे में ज्यादा सबूत प्रदान करना, जिसमें प्रत्यक्ष तंत्र भी शामिल है, जिससे अदरक न्यूट्रोफिल को प्रभावित करता है, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और मरीजों को इस बात पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा कि क्या उनके उपचार योजना के हिस्से के रूप में अदरक लेना फायदेमंद हो सकता है. "हमारा मानना है कि अदरक में उपचार कार्यक्रमों को पूरक करने की वास्तविक क्षमता हो सकती है. लक्ष्य लोगों के लक्षणों से राहत दिलाने में मदद के मामले में ज्यादा रणनीतिक और वैयक्तिकृत होना है.₹

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आंधी में टूटकर गिरे बिजली तार से लगा करंट, पहले पत्नी, फिर पति और ससुर की गई जान

वाराणसी. वाराणसी में आंधी के कारण टूटकर गिरे बिजली तार ने एक परिवार में कोहराम मचा दिया है। करंट लगने से परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है। पहले पत्नी, फिर पति और ससुर की जान चली गई है। घटना मंगलवार सुबह 9 बजे कैंट थाना क्षेत्र के भोजूबीर इलाके में हुई है। महिला घर के बाहर लोहे के तार पर कपड़े फैलाने गई थी। रात में आंधी से बिजली का तार टूटकर लोहे के तार पर गिरा हुआ था। इससे गिला कपड़ा फैलाते ही महिला तार से चिपक गई। बचाने पहुंचे पति और ससुर भी करंट की चपेट में आ गए। भोजूबीर में सब्जी मंडी के पास राजेंद्र जायसवाल (60) अपनी मां, दो बेटे दिनेश, सोनू जायसवाल (30), बहू प्रीति (28), सोनू की दो बच्चियां शिवांगी और नैंसी के साथ रहते थे। मंगलवार सुबह गीले कपड़े तार पर डालते ही प्रीति करंट लगने से चिपक गई। पास में खड़ा सोनू उसे बचाने दौड़ पड़ा और तार से खींचने के प्रयास में वह भी चपेट में आ गया।

बारात निकलने से पहले गुरुद्वारे में मत्था टेकने निकला था दूल्हा, रास्ते में डंपर ने रौंदा

रामपुर. यूपी के रामपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक परिवार की शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गई। दरअसल दूल्हे की बारात निकलने से कुछ घंटे पहले ही सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। ये घटना टांडा थाना क्षेत्र का है। सेंटखेड़ा के मझरा हजरतनगर के रहने वाले 26 साल के योगेंद्र की सोमवार की रात लगुन चढ़ी थी। मंगलवार की शाम मुरादाबाद के गांव बुढ़पुर अलीगंज बारात जानी थी। सुबह करीब 9 बजे वह क्षेत्र के गुरुद्वारे में मत्था टेकने गया था। उधर से लौटते वक्त दड़ियाल मार्ग पर स्थित एक डिग्री कॉलेज के पास डंपर ने बाइक सवार योगेंद्र को रौंद दिया। इस दर्दनाक हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

दोस्त को पत्नी के साथ देख बर्दाश्त न कर पाया पति, एक का कत्ल; दूसरे की हालत गंभीर

गोंडा. यूपी के गोंडा में एक शख्स की आधी रात को नींद टूटी तो उसकी पत्नी, बगल के कमरे में उसके ही दोस्त के साथ आपत्तिजनक हाल में मिली। पत्नी और अपने दोस्त को उस हालत में देखकर पति बर्दाश्त नहीं कर पाया। उसने दोनों पर फावड़े से ताबड़तोड़ वार किए। घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि महिला को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। गोंडा के कोतवाली क्षेत्र के पथवलिया के रहने वाले रिजवान (32 वर्षीय) पुत्र शरीफ की सर्वेश उर्फ गुड्डू पाण्डेय (उम्र 36 वर्ष) पुत्र सुरेश नरायन पाण्डेय निवासी सिविल लाइन निकट अफीम कोठी से पांच-छह साल पुरानी दोस्ती थी। सर्वेश पाण्डेय का रिजवान के घर पहले से आना जाना था । इसी दौरान सर्वेश पाण्डेय, रिजवान की पत्नी माजिया के संपर्क में आ गया।

बहराइच में पूर्व सांसद पर जानलेवा हमला

बहराइच. यूपी के बहराइच में एक मांगलिक कार्यक्रम में रविवार को शामिल होने आए पूर्व सांसद अक्षयवरलाल गोंड पर दो दर्जन से अधिक लोगों ने हमला कर दिया। लाठी, डंडे, असलहे से लैस हमलावरों ने घेर लिया और उनके गाड़ी को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की। सुरक्षा कर्मियों, मेजबान व साथियों ने सांसद को दूसरे कमरे में छिपाकर उनकी जान बचा ली। हमलावरों ने कमरे का भी दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। बड़ी संख्या में लोगों के आ जाने पर हमलावर फरार हो गए। मेजबान ने इस मामले मे तीन महिलाओं सहित आठ नामजद व 38 अन्य के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

ट्रक ने एक ही परिवार के तीन लोगों को कुचला

सोनभद्र. पन्नूगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को एक तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से सड़क पर खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक मृतकों में एक महिला और बच्चा भी शामिल है। नौगढ़ चकिया मार्ग पर स्थित ग्राम बनौरा के पास 55 साल के इश्तियाक और उसकी पुत्रवधू अफसाना और सात वर्षीय पौत्र शराफ़त सड़क पर खड़े थे, तभी उसी समय एक अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। इस हादसे में तीनों की मौत हो गयी।

देश में 244 जगहों पर आज मॉक ड्रिल

युद्ध में बचने के तरीके सिखाए जाएंगे, टॉर्च-कैश रखने की सलाह

नई दिल्ली. पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार (7 मई) को देश के 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं।

सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे।

दिल्ली में गृह मंत्रालय में आज हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

प्रशासनिक जिलों से अलग हैं सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट

गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मॉक ड्रिल वाले जिलों की लिस्ट जारी की। इनमें राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को कैटेगरी-1 से 3 के बीच रखा गया है। दरअसल, मिनस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने देश के कुल 35 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए हैं। जरूरी नहीं ये सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट सामान्य एडमिनिस्ट्रेटिव डिस्ट्रिक्ट हों। जैसे - उत्तर प्रदेश में कुल 19 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए गए हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे एडमिनिस्ट्रेटिव जिले भी हैं, और बक्शी-का-तालाब, सरवासा जैसे इलाके हैं जो लखनऊ और सहारनपुर में हैं।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का मकसद

1. एयररेड वॉर्निंग सिस्टम के दौरान अलर्टनेस चेक करना।
2. इंडियन एयरफोर्स के साथ हॉटलाइन और रेडियो कम्युनिकेशन जोड़ना।
3. मेन और सहयोगी कंट्रोल रूम की वर्किंग सही हो, यह सुनिश्चित करना।
4. हमले की स्थिति में आम लोगों, छात्रों को अपनी रक्षा करना सिखाना।
5. हमले की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने का प्लान और उसका एक्जीक्यूशन चेक करना।
6. ब्लैक आउट के दौरान उठाए जाने वाले सभी कदमों का रिव्यू करना।
7. ब्लैक आउट की स्थिति में क्या करना है, यह बताना।
8. महत्वपूर्ण संस्थानों और बड़े प्लांट्स को कैसे छिपाना है, यह बताना।
9. सिविल डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट करना, इमरजेंसी में आम नागरिकों की मदद करने वाली टीम, फायरफाइटर्स, रेस्क्यू ऑपरेशन का मैनेजमेंट।

क्या होता है ब्लैकआउट?

■ **युद्ध के साए में काले कवर से लेकर घरों की बंद बत्तियों तक, क्यों है जरूरी**

नई दिल्ली. पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने आतंकवाद समर्थित पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी तेज कर दी है। इस दिशा में सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। गृह मंत्रालय ने देश के 244 जिलों में 7 मई के दिन एक विशेष अभ्यास की घोषणा की है, जिसके तहत 'सिविल डिफेंस ट्रेनिंग' कराई जाएगी, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में आम नागरिक भी तैयार रहें। इस तैयारी का सबसे अहम हिस्सा है — 'ब्लैकआउट'। एक ऐसा कदम, जो दुश्मन की आंखों पर परदा डाल देता है।

जब किसी देश पर युद्ध का खतरा मंडराता है या हवाई हमला संभव होता है, तो दुश्मन की निगाहें जमीन पर मौजूद रोशनी को निशाना बनाती हैं। शहरों की जगमगाती लाइटें, गाड़ियों की हेडलाइट, घरों की बत्तियां — ये सब दुश्मन के लिए टारगेटिंग पॉइंट बन जाती हैं।

इसके नियम क्या हैं

ब्लैकआउट इसी खतरे से बचने के लिए किया जाता है। इसमें आदेश जारी कर दिए जाते हैं, जैसे- घरों की सभी बत्तियां बंद रहें, खिड़कियों पर काले कपड़े या पर्दे डाले जाएं, गाड़ियों की हेडलाइट्स पर काले कवर लगें और स्ट्रीट लाइट्स भी सीमित समय के लिए बंद कर दी जाएं।

1971 की लड़ाई

भारत में 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सरकार की तरफ से देश के कई शहरों में मॉक ड्रिल कराए गए थे। इतने लंबे वक्त बाद फिर पड़ोसी देश से भारी तनाव को देखते हुए मॉक ड्रिल आयोजित की जानी है। रक्षा मंत्रालय और पुरालेख विभाग की रिपोर्टों में 1971 के युद्ध के दौरान रसिविल डिफेंस ब्लैकआउट प्रोटोकॉलर का जिक्र है। सिविल डिफेंस मैनुअल्स और Government of India's Civil Defence Training material में भी इस बात का उल्लेख है कि युद्ध के समय रोशनी छुपाने के निर्देश दिए गए थे। तब बहुत से वरिष्ठ नागरिकों और रेडियो प्रसारणों की रिकॉर्डिंग्स, विशेषकर ऑल इंडिया रेडियो में "बत्तियां बुझा दें", "परदे खींच लें", जैसे निर्देश दिए जाते थे।

सड़क हादसे के पीड़ितों का तुरंत होगा मुफ्त इलाज

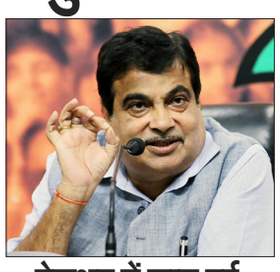

■ **देशभर में लागू हुई योजना**

नई दिल्ली. सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले लोगों और उनके परिवारजनों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम की घोषणा की है। सड़क परिवहन मंत्रालय की एक गैजेट अधिसूचना के मुताबिक इस योजना के तहत पीड़ित को दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक किसी भी मानित अस्पताल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का लाभ मिल सकता है। यह योजना 5 मई 2025 से लागू हो गई है।

केंद्र सरकार की अधिसूचना के मुताबिक, ₹किसी भी सड़क पर मोटर वाहन द्वारा हुई सड़क दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रावधानों के तहत कैशलेस उपचार का हकदार होगा।₹ बता दें कि इससे पहले इस साल जनवरी में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में सड़क हादसों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए यह घोषणा की थी कि सरकार सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए जल्द ही ऐसी योजना लाने पर विचार कर रही है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस योजना को लागू करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) राज्य की पुलिस, अस्पतालों और राज्य की स्वास्थ्य एजेंसी के साथ मिलकर काम करेगा। बता दें कि भारत में सड़क हादसों में हर साल लगभग 5 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वहीं करीब 4 लाख लोग गंभीर रूप से जख्मी हो जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित दो पहिया वाहन चालक और पैदल चलने वाले यात्री होते हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में पैसेंजर बस खाई में गिरी

■ **2 लोगों की मौत, 45 घायल**

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के घानी मेंढर इलाके में मंगलवार को एक पैसेंजर बस खाई में गिर गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। 45 लोग घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को GMC राजौरी रेफर कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, बस मेंढर की ओर जा रही थी तभी खोड़ धारा के पास ड्राइवर ने बस से अपना कंट्रोल खो दिया। खबर लगते ही पुलिस, सेना और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

खड़गे बोले-PM के पास हमले का इनपुट था

■ **3 दिन पहले रिपोर्ट मिली**

■ **मोदी ने दौरा रद्द किया**

■ **आम लोगों के लिए व्यवस्था नहीं की**

रांची. झारखंड के रांची में मंगलवार को कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने कहा- 'मुझे पता चला है और एक अखबार में भी मैंने पढ़ा है कि 22 अप्रैल के आतंकी हमले के 3 दिन पहले PM मोदी के पास इंटेलिजेंस का इनपुट था। इसलिए उन्होंने अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया, लेकिन आम लोगों की सुरक्षा के लिए व्यवस्था नहीं की।'

'26 बेगुनाह लोग मारे गए और सरकार ने माना इंटेलिजेंस फैलियर है और उसको वे सुधारेंगे। अगर उन्हें यह पता है, तो उन्होंने अच्छी व्यवस्था क्यों नहीं की।'

CM का नाम भूले खड़गे

विधानसभा मैदान में सभा को संबोधित करते हुए खड़गे झारखंड CM का नाम भूल गए। मंच पर उनके पीछे खड़े शख्स से उन्होंने मुख्यमंत्री का नाम को पूछा, लेकिन फिर लिया नहीं। उन्होंने कहा '11 साल से केंद्र में मोदी की सरकार है, वो कहती है सारे राज्य एक हैं, लेकिन इसी सरकार ने हमारे झारखंड के मुख्यमंत्री को जेल भेजा और हंस रही थी। ये नहीं चलेगा।'

'मोदी साहब आदिवासी-गरीबों को जेल में डालकर डराओ मत, वो डरने वाले नहीं। हमें तो तुम्हारी चिंता है, क्योंकि सुविधा तो आपको चाहिए। हमारे लोग मेहनत मजदूरी कर के जीने वाले लोग हैं।'

रूस से इसी महीने आ जाएगा जंगी जहाज तमल

■ **ब्रह्मोस मिसाइल से लैस, रडार की पकड़ से बाहर**

■ **नेवी की ताकत बढ़ेगी**

नई दिल्ली. पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध की संभावनाओं के बीच भारत की समुद्री ताकत बढ़ने वाली है। रूस में बने एक मॉडर्न स्टील्थ युद्धपोत 'तमल' को भारतीय नौसेना को मई के अंत (28 मई) में सौंपा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जून में इसे आधिकारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। यह जंगी जहाज ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होगा। जो रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। तमल युद्धपोत 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। तमल रूस में बनने वाला दूसरा फ्रिगेट है। इससे पहले INS तुशिल को दिसंबर 2024 में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में कमीशन किया था।

200 से ज्यादा भारतीय नौसैनिक ट्रेनिंग ले चुके

200 से ज्यादा भारतीय नौसैनिकों को इस युद्धपोत के संचालन और तकनीकी प्रणाली के लिए रूस में ट्रेनिंग दी गई है। वे तमल की समुद्री ट्रायल्स में भी हिस्सा ले चुके हैं। यही भारतीय दल मई के अंत में तमल को रूस से भारत लाएगा।

गोवा में बन रहे हैं दो और युद्धपोत

इस समझौते के तहत दो अन्य तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। उनके लिए जरूरी इंजन पहले ही मंगवा लिए गए हैं। इससे भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

बलूचिस्तान में धमाका, 7 पाक फौजियों की गई जान

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को हुए एक शक्तिशाली धमाके में कम से कम सात पाकिस्तानी फौजी मारे गए हैं और छह घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है लेकिन पाकिस्तान हमेशा बलूचिस्तान प्रांत में ऐसे हमलों को लेकर विद्रोही गुट बलूच लिबरेशन आर्मी का नाम लेता रहा है। यह धमाका आईईडी के जरिए किया गया है, जिसमें फ्रंटियर कोर के काफिले को निशाना गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब बलूचिस्तान में हिंसा का ग्राफ फिर से तेजी से ऊपर जा रहा है। पिछले हफ्ते ही 30 से 40 हथियारबंद हमलावरों ने बलूचिस्तान से गुजरने वाले एक अहम हाईवे को जाम कर दिया था और एक पुलिस की वैन को निशाना बनाते हुए उसमें सवार 5 पुलिसकर्मियों को अगवा कर लिया था।

टीम इंडिया टी-20 और वनडे रैंकिंग में टॉप पर

■ **टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया नंबर-1**

■ **ICC ने मेंस क्रिकेट की एनुअल रैंकिंग जारी की**

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने सोमवार को मेंस क्रिकेट टीम की एनुअल रैंकिंग जारी की। इसमें भारत ने वनडे और टी20 में अपना टॉप स्थान बरकरार रखा है। वहीं टेस्ट फॉर्मेट में इंडियन टीम एक पायदान खिसककर चौथे पर पहुंच गई है। इस रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर है।

वार्षिक रैंकिंग अपडेट 2025 में मई 2024 से अब तक खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो साल के मैचों के 50 प्रतिशत अंक लिए गए हैं। टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड ने 2 स्थान की छलांग लगाई है। टीम दूसरे स्थान पर है। वनडे रैंकिंग में, 2023 वर्ल्ड कप फाइनलिस्ट भारत ने ICC ट्रॉफी में मजबूती के चलते अपनी रेटिंग 122 से बढ़ाकर 124 कर ली हैं। दूसरे स्थान पर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की रनर-अप न्यूजीलैंड है, जिसने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ा है। टीम अब तीसरे स्थान पर है। श्रीलंका, जिसने हाल के महीनों में डोमेस्टिक मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है, पांच रेटिंग अंक हासिल करने के बाद चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान पांचवें और साउथ अफ्रीका (4 पॉइंट्स के नुकसान के साथ) छठे स्थान पर है।

अफगानी टीम को 4 स्थान को बढ़त

अफगानिस्तान भी चार अंकों के सुधार के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पूर्व वर्ल्ड चैंपियन इंग्लैंड चार अंक गंवाने के बाद आठवें स्थान पर खिसक गया है। इस बीच, वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को पीछे छोड़ा है और पांच अंक हासिल कर नौवें स्थान पर पहुंच गया है। बांग्लादेश 10वें पायदान पर है।

चिनाब का पानी रोकने से पाकिस्तान में जलसंकट

■ **भारत ने दो बांध बंद किए**

■ **पाक के 24 शहरों में 3 करोड़ लोगों पर असर**

नई दिल्ली. भारत ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब पर बने सियाल और बगलिहार बांध के गेट बंद कर दिए हैं। इसके चलते पाकिस्तान जाने वाला चिनाब का पानी रुक गया है और वाटर लेवल घटकर 15 फीट रह गया है।

पाकिस्तान में चिनाब का पानी 22 फीट था जो 24 घंटे में 7 फीट घट गया। चिनाब के लगातार सिकुड़ने से 4 दिन बाद पंजाब के 24 अहम शहरों में 3 करोड़ से ज्यादा लोगों को पीने के पानी के लिए तरसना पड़ सकता है।

पाकिस्तान के फैसलाबाद और हाफिजाबाद जैसे घनी आबादी वाले शहरों की 80% आबादी पेयजल के लिए चिनाब के सतही पानी पर निर्भर है। सिंधु जल प्राधिकरण ने आशंका जताई कि भारत के इस कदम से खरीफ की फसलों के लिए पानी में 21% की कमी आएगी। पाकिस्तानी संसद ने इसे युद्ध छेड़ने की कार्रवाई बताया है।

भारत ने 65 साल पुराना सिंधु जल समझौता रोका

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौता रोक दिया है। 19 सितंबर 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों का पानी बांटने को लेकर सिंधु जल समझौता हुआ था। समझौते के तहत भारत को तीन पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलुज) का अधिकार मिला, जबकि पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) का इस्तेमाल करने की परमिशन दी गई। पाकिस्तान की 80% खेती सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी पर निर्भर है। अब भारत की तरफ से इन नदियों का पानी रोक देने से पाकिस्तान में जल संकट गहराएगा।

मुक्त व्यापार समझौते पर सहमत हुए भारत और ब्रिटेन

नई दिल्ली. भारत और ब्रिटेन मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते (FTA) पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद दोनों देशों ने एक व्यापक व्यापार समझौते की घोषणा की है, जो अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं पर से टैरिफ हटाने का प्रावधान करता है। यह कदम नई दिल्ली और अमेरिका सहित अन्य देशों के बीच इसी तरह के समझौतों के लिए आगे की राह खोल सकता है। इस समझौते के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर इसे ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और ब्रिटेन ने बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते और दोहरे योगदान समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

जा.क्र.उमपा/प्र.स.क्र.2/35/2025
सहा. आयुक्त यांचे कार्यालय,
प्रभाग समिती क्र. 2. मोहनदास रामरख्यानी हॉल,
सपना गार्डन जवळ, उल्हासनगर- 3
दिनांक : 02/05/2025

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

कार्यकारी अभियंता (सावावि) उल्हासनगर महानगरपालिका, यांनी (सपना उद्यान) राजीव गांधी उद्यानालगत. उल्हासनगर-2 या ठिकाणी झाड स्थलांतरित करणेकरिता दिनांक 25/04/2025 रोजी केलेला अर्ज न्या कार्यालयात दिनांक 25/04/2025 रोजी प्राप्त झालेला आहे. सदर अर्ज प्राप्त झाल्यानंतर संबंधित मुकादमाने नमुद ठिकाणी पाहणी करुन अहवाल सादर केलेला आहे. सदर अहवालानुसार आवारात असलेली झाडांची माहिती खालील प्रमाणे आहे.

अ.क्र	वृक्षाचे प्रकार/जात	नग
1	अशोका जातीचे	06 नग
2	जंगली जातीचे	02 नग
3	बादाम जातीचे	01 नग

तरी, उक्त ठिकाणी नमुद झाड स्थलांतरित करणेकरिता ज्या कुणा इसमाची हरकत असेल त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 08/5/2025 पूर्वी वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र. 2 यांचेकडे सादर करावी. सदर मुदतीत हरकत प्राप्त झाल्यास संबंधितांची सुनावणी घेवून अंतिम निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(मनिष हिवरे)
वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती क्र. 2
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा/पीआरओ / 86/2024
दिनांक: 06/05/2025

संक्षेप...

बिजली चोरी उजागर

भिवंडी. बंजारपट्टी इलाके में बिजली चोरी का मामला उजागर हुआ है. फ्लैट मालिक द्वारा अवैध केबल के जरिए सीधे बिजली उपयोग की जा रही थी. टोरेंट पॉवर कंपनी की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस ने 2 आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है. रोलेक्स होटल के पास कुरेशी मोहम्मद युनुस और मोईन आतीक खाटिक ने फ्लैट क्रमांक 304 में टोरेंट पॉवर कंपनी के मिनी सेक्शन पीलर में अवैध कनेक्शन कर 2,14,543 रूपये की बिजली चोरी की है.

बरसात के मौसम में सभी सरकारी तंत्र रहे अलर्ट-जिलाधिकारी शिनगारे

ठाणे. आगामी बरसात को देखते हुए जिलाधिकारी व आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष अशोक शिनगारे ने ठाणे जिले में विभिन्न प्राधिकरणों द्वारा चल रहे विकास कार्यों को 20 मई तक पूरा करने और सभी सरकारी तंत्र को अलर्ट रहने के सख्त निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी डॉ. अनिता जवंजाल सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी बैठक में उपस्थित थे।

बैठक की शुरुआत में निवासी उपजिलाधिकारी व आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. संदीप माने ने कम्प्यूटर प्रजेंटेशन के माध्यम से मानसून पूर्व उपायों की तैयारियों के बारे में जानकारी दी।जिलाधिकारी शिनगारे ने कहा कि उन्होंने घोड़बंदर रोड के काम पर विशेष ध्यान देने और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करके सभी काम तुरंत पूरा करने की अपील की है। उन्होंने सभी से मानसून के दौरान किसी भी आपदा की स्थिति में सतर्क रहने और एक-दूसरे पर उंगली उठाए बिना मिलकर काम करने का आग्रह किया है। उन्होंने उन दिनों आवश्यक उपाय करने की अपील की, जब समुद्र की ऊंची लहरें उठने की संभावना हो। साथ ही सभी विभागों के आपदा प्रबंधन

प्रकोष्ठों को 24x7 कार्यशील रखने के भी निर्देश दिए।

एमएमआरडीए को मानसून से पहले सभी सड़कों का आवश्यक रखरखाव और मरम्मत करने, सड़कों पर गड्ढे न होने देने तथा पूर्ण हो चुके कार्यों पर लगे अवरोधकों को हटाने का आदेश दिया गया। बैठक में महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को मनपा क्षेत्राधिकार में सड़कों और पुलों की मरम्मत करने, भारी बारिश के कारण हुए गड्ढों के लिए आधुनिक मशीनरी और सामग्री तैयार रखने, मई के अंत तक कलवा से माजीवडा सड़क को पूरा करने और खारीगांव टोल प्लाजा पर सड़क का काम तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए गए।रेलवे प्रशासन को रेलवे क्षेत्र में आंतरिक नालियों और पुलियों की सफाई करने तथा उन्हें नियमित आधार पर साफ रखने के लिए स्थायी उपाय करने के निर्देश दिए गए। यह भी सुझाव दिया गया कि इस उद्देश्य के लिए मनपा और रेलवे इंजीनियर संयुक्त निरीक्षण करें और आवश्यक कार्य तत्काल पूरा करें।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि परिवहन विभाग ने मानसून सीजन के दौरान यातायात की भीड़ से बचने के लिए उचित योजना बनाई है और एक समन्वय अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।निर्देश दिए गए कि आरटीओ विभाग शहर में लावारिस वाहनों को उठाने के लिए विशेष अभियान चलाए तथा नीलामी प्रक्रिया पूरी करे। नालियों की सफाई करते समय एमएसईबी केबलों के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग को तत्काल कदम उठाने चाहिए।

पेड़ों की छंटाई का काम 30 मई तक पूरा हो

जिलाधिकारी शिनगारे ने निर्देश दिया कि जिले में खतरनाक पेड़ों और शाखाओं की छंटाई का काम 30 मई तक पूरा किया जाना चाहिए, हरे कचरे का तुरंत उपाय किया जाना चाहिए, और सभी सरकारी विभाग एक-दूसरे के साथ समन्वय करें।उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय अधिकारी नियमित दौरा कर कार्यों की निगरानी करें, नालों की सफाई के बाद कचरे को तुरंत हटाएं तथा सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज और उद्यान विभागों में मरम्मत कार्य को तीव्र गति से पूरा करें। यह भी निर्देश दिया गया कि खतरनाक इमारतों को सील कर दिया जाए और उनकी सूची सार्वजनिक कर दी जाए, तथा भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में झोपड़ियों को हटा दिया जाए।

महाराष्ट्र में 'एक जिला, एक पंजीकरण' योजना शुरू

■ संपत्ति का रजिस्ट्रेशन अब होगा आसान

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने एक जिला, एक पंजीकरण योजना योजना लागू कर दी है. जिसके तहत अब नागरिक अपने जिले में किसी भी उप-पंजीकरण ऑफिस में संपत्ति का रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे. यह सुविधा राज्य भर के नागरिकों के लिए राहत देने वाली साबित होगी. अब एक ही जिले के किसी भी कार्यालय में रजिस्ट्रेशन संभव होगा, जिससे समय और कागजी प्रक्रिया की झंझट से मुक्ति मिलेगी. इस बारे में प्रदेश के राजस्व

मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने दी है.

उन्होंने आगे बताया कि "वन स्टेट, वन रजिस्ट्रेशन" की संकल्पना भी जल्द ही लागू की जाएगी, जिसके तहत नागपुर की संपत्ति का पंजीकरण भी राज्य के किसी भी जिले से कराया जा सकेगा. मौजूदा समय में लोगों को उप-पंजीयक ऑफिस जाना पड़ता है, उस क्षेत्र में स्थित होता है जहां वे संपत्ति खरीदते हैं. इस योजना के लागू होने के बाद लोगों बहुत राहत मिलेगी.

पुरंदर में एयरपोर्ट के लिए चल रहे भूमि अधिग्रहण मामले में कुछ किसानों ने आक्रामक रुख अपनाया है और लाठीचार्ज में कुछ के घायल होने की घटनाएं सामने आई हैं. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राजस्व मंत्री ने कहा कि किसानों पर लाठीचार्ज होना किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है. जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक लेकर इस समस्या का समाधान किया जाएगा.

रिश्वतखोर अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा

जमाबंदी कार्यालय के कुछ अधिकारियों पर पंजीकरण के लिए रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं. इनकी जांच शुरू हो चुकी है. मंत्री बावनकुळे ने स्पष्ट कहा कि गलत काम करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा. जैसे राजनेताओं को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है, वैसे ही प्रशासनिक अधिकारियों को भी करनी चाहिए. उन्होंने संकेत दिए कि राजस्व विभाग में भ्रष्ट अधिकारियों पर जल्द ही कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों की जांच और बर्खास्तगी भी शामिल होगी.

देवेंद्र फडणवीस का नेतृत्व बहुआयामी

देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल को सफल और पारदर्शी बताते हुए बावनकुळे ने कहा कि एकनाथ शिंदे, अजित पवार और फडणवीस "भाई की तरह" मिलकर काम कर रहे हैं, और वे स्वयं इसके साक्षी हैं.

पार्किंग जोन में खड़े तीन कंटेनर ट्रक जलकर हुए खाक

भिवंडी. भिवंडी तालुका कुरुंद गांव की सीमा मुंबई नाशिक हाइवे पर स्थित स्केवर गोदाम परिसर आर.एन. ट्रांसपोर्ट पार्किंग से सटी जगह पर सुबह 11 बजे ट्रांसपोर्ट कंपनी की पार्किंग में लगी आग में 3 कंटेनर ट्रक जल गये. आग लगने का कारण पता नहीं चल सका.

स्थानीय लोगों ने बताया कि ये कंटेनर पिछले 15 दिनों से पार्किंग में खड़े थे.भिवंडी फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और पार्किंग में खड़ी 15 अन्य वाहनों को बचाने में कामयाब रही.

शिवसेना के जनसंवाद में सैकड़ों शिकायत का निवारण

ठाणे. महानगरपालिका क्षेत्र के नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को समझने तथा जनता से सीधे संवाद करने के लिए शिवसेना नेताओं ने मंगलवार को आनंद आश्रम में समस्या, सेवा और समाधान के तीन सिद्धांतों पर आधारित 'जन संवाद' पहल का आयोजन किया।

राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, कल्याण के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के के मार्गदर्शन में शिवसेना के पूर्व महापौर अशोक वैती और ठाणे लोकसभा संपर्क प्रमुख मनोज शिंदे ने नागरिकों की सैकड़ों शिकायतों का निवारण किया। इस बीच अशोक वैती और मनोज शिंदे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आनंद आश्रम में हर मंगलवार को जनसंवाद गतिविधियां नियमित रूप से जारी रहेंगी और हर गुरुवार को ठाणे मनपा के कर्मचारियों और निवासियों की शिकायतों और समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस पृष्ठभूमि में ठाणे स्थित शिवसेना शाखाओं में वार्ड की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। इसलिए, अब शिवसेना के वरिष्ठ नेताओं ने भी लोगों की समस्याओं को सुनकर संबंधित प्रशासन के माध्यम से उनका समाधान कराकर नागरिकों को राहत पहुंचाने के लिए जनसंवाद पहल का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इसी के अनुरूप समस्या सेवा और समाधान के तीन स्तंभों के आधार पर पूर्व शिवसेना महापौर अशोक वैती और ठाणे लोकसभा संपर्क प्रमुख मनोज शिंदे ने मंगलवार को ठाणे के टेंभी नाका स्थित आनंद आश्रम में जन संवाद पहल का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों नागरिकों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं कीं।

इस अवसर पर पूर्व महापौर अशोक वैती, पूर्व विपक्ष नेता मनोज शिंदे, पूर्व नगरसेवक जनार्दन खेतले, पूर्व नगरसेवक राजेंद्र साप्ते, रतन अवसरमोल, ठाणे मनपा के सेवानिवृत्त अधिकारी सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

रात्रि निवारा केंद्र की इमारत असामाजिक तत्वों का अड्डा

■ नागरिकों में दहशत

भिवंडी. भिवंडी महानगरपालिका प्रभाग समिति क्रमांक 4 अंतर्गत आज़मी नगर, टिपू सुल्तान चौक पर बंद पड़े रात्रि निवारा केंद्र में नशाखोरी और असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन जाने से इलाके में दहशत का माहौल है. जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दे को लेकर आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) भिवंडी शहर अध्यक्ष रहबर रशीद ने मनपा प्रशासन को ज्ञापन देकर एक्शन की मांग की है. भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष रहबर रशीद ने भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि दरगाह दीवान शाह के पीछे भाग में आज़मी नगर स्लम बस्ती के पास राज्य शासन के निर्देश पर रात्रि निवारा केंद्र का निर्माण किया गया था. जिसका उद्घाटन तत्कालीन महापौर प्रतिभा विलास पाटिल के हाथों हुआ था.ज्ञापन के अनुसार, इमारत की हालत अब जर्जर हो चुकी है. मनपा प्रशासन द्वारा निवारा केंद्र को खाली किए जाने के कारण कबाड़ माफियाओं और कचरा जमा करने वालों ने कब्जा कर लिया है. नशाखोरों ने इमारत के दरवाजे और खिड़कियां तक उखाड़ कर बेच दी. स्थानीय लोगों की शिकायत है कि, बंद रात्रि निवारा केंद्र की जर्जर इमारत अब नशाखोरों, गांजा-सिगरेट पीने वालों और अश्लील हरकतों में लिप्त असामाजिक तत्वों का मुख्य अड्डा बन गया है.रात्रि के समय असामाजिक अराजक गतिविधियों की वजह से महिलाएं और बच्चे भय के साए में जीवन जीने को मजबूर है.मनपा प्रशासन को जर्जर इमारत को जल्द तो देना जरूरी है.प्रशासक अनमोल सागर ने उचित एक्शन का भरोसा प्रतिनिधिमंडल को दिया है.

5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

नवी मुंबई. नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने पनवेल के करंजाडे में एक आवासीय अपार्टमेंट से पांच बांग्लादेशी नागरिकों जिसमें दो पुरुषों और तीन महिलाओं को अवैध रूप से भारत में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया। इसके अलावा, एक भारतीय नागरिक जिसने कथित तौर पर उन्हें फर्जी पहचान दस्तावेज हासिल करने में मदद की थी उसे भी हिरासत में लिया गया है। एक पुलिस दल ने 4 मई को ब्लू किश को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, सेक्टर 6, करंजडे में छापा मारा। कार्रवाई के दौरान, परिसर में छह व्यक्ति रहते हुए पाए गए।

शुक्रवार को ठाणे के कुछ इलाकों में पानी नहीं

ठाणे। महानगरपालिका क्षेत्र के मुंब्रा, दिवा, कलवा, माजीवडा-मानपाडा और वागले प्रभाग समिति के कुछ हिस्सों में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के माध्यम से जलापूर्ति की जाती है।महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल की जलापूर्ति योजना के अंतर्गत जांभूल जल शुद्धिकरण केंद्र पर अति महत्वपूर्ण रखरखाव व मरम्मत कार्य होने के कारण गुरुवार को कटाई नाका से ठाणे के बीच सड़क बंद रहेगी।गुरुवार दोपहर 12 बजे से शुक्रवार को रात्रि 12 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए जल आपूर्ति बंद रहेगी।इस बंद अवधि के दौरान, दिवा, मुंब्रा वार्ड

क्रमांक 26 व 31 के कुछ हिस्सों को छोड़कर और ठाणे मनपा के अंतर्गत कलवा प्रभाग समिति के अंतर्गत सभी क्षेत्र और वागले प्रभाग समिति में रूपादेवी पाडा, किसन नगर में जलापूर्ति बंद रहेंगी। मानपाड़ा प्रभाग समिति के अंतर्गत 2, नेहरूनगर और कोलशेत खालचा गांव 24 घंटे के लिए पूरी तरह बंद रहेंगी।नागरिकों को जानकारी के लिए जलापूर्ति शुरू होने के बाद अगले 1 से 2 दिनों तक जलापूर्ति कम दबाव से आयेगी।ठाणे मनपा ने नागरिकों से आवाहन किया है की वह इस बंद अवधि के दौरान पानी का संयमपूर्वक और सावधानीपूर्वक उपयोग करके ठाणे मनपा का सहयोग करें।

छत का प्लास्टर गिरने से 4 लोग घायल

ठाणे. कलवा प्रभाग समिति के अंतर्गत खारेगांव स्थित तनुजा सोसायटी ग्राउंड प्लस तीन मंजिला इमारत जो कि लगभग 25 से 30 साल पुरानी है।इसकी दूसरी मंजिल के रूम न. 204 महेंद्र खरात के बेड रूम के छत का प्लास्टर का कुछ हिस्सा अचानक गिरने से 4 लोग घायल हो गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही सहायक आयुक्त कलवा प्रभाग समिति, उप अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, कनिष्ठ अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, आपदा

प्रबंधन प्रकोष्ठ कर्मचारी 01-पिकअप वाहन के साथ अतिक्रमण विभाग कर्मचारी पहुंच गए। सभी घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल कलवा में भर्ती कराया गया।

'लोक सेवा जन संवाद' में डेवलपर धोखाधड़ी की शिकायतें बढ़ रही

ठाणे। विधायक संजय केलकर नागरिकों की समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने के लिए हर सोमवार और शुक्रवार को सुबह 11 से 1 बजे तक ठाणे भाजपा के खोपट कार्यालय में मौजूद रहते हैं। इस पहल को नागरिकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। नागरिक विभिन्न शिकायतें दर्ज कराने के लिए इस पहल के तहत आ रहे हैं।मकानों के लिए डेवलपर्स द्वारा धोखाधड़ी की कई शिकायतें मिली हैं।इस बार विभिन्न शिकायतों के 57 आवेदन प्राप्त हुए।जिसमें पीएफ मुद्दे, मकानों के संबंध में डेवलपर द्वारा की गई धोखाधड़ी, घोटाले, ठेका कर्मचारी, पानी के मुद्दे, राशन कार्यालय के मुद्दे, वर्तकनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले मुद्दे, विभिन्न अतिक्रमण, अनधिकृत निर्माण, नौकरी, अस्पताल के मुद्दे, स्थानांतरण के मुद्दे, स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों के वेतन के मुद्दे, कर के मुद्दे, स्कूल प्रवेश के मुद्दे, सफाई कर्मचारियों के मुद्दे, टीएमटी मुद्दे, वृक्ष प्राधिकरण के मुद्दे। केलकर को दिया गया।इस अवसर पर ठाणे परिवहन सदस्य विकास पाटिल, पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, ठाणे जिला गृह निर्माण महासंघ के अध्यक्ष सीताराम राणे, पूर्व नगरसेवक सुनेश जोशी, दीपक जाधव, महेश कदम और राजेश गाडे खोपट कार्यालय में उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पशुधन योजना : पशुपालकों को लाभ देने की योजना

ठाणे. पशुपालन विभाग के माध्यम से भारत सरकार के राष्ट्रीय पशुधन मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सक्रिय प्रयास चल रहे हैं। यह योजना पशुपालकों को व्यवसायिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाने के उद्देश्य से क्रियान्वित की जा रही है।इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं।

■ पशुधन विकास के लिए वित्तीय सहायता

मुर्गी पालन, बकरी पालन, सुअर पालन, डेयरी मवेशी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए वित्तीय सब्सिडी और रियायतें उपलब्ध हैं।लाभार्थियों को अपनी जमीन या अन्य आवश्यक सुविधाएं दिखानी होंगी।

■ ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया

आवेदन ah.mahabms. com पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत किए जा सकते हैं।आवेदन पत्र भरते समय आवश्यक दस्तावेज (आधार कार्ड, बैंक पासबुक, आय प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि) अपलोड करना जरूरी है।आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और प्रौद्योगिकी आधारित तरीके से की जाएगी।

■ योजना को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास

ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान, पोस्टर व बैनर के माध्यम से सूचना का प्रसार।कृषि मेलों और पशुधन मेलों का आयोजन करके सीधा संवाद। ग्राम सेवक, पशुधन पर्यवेक्षक और स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के माध्यम से मार्गदर्शन।

■ लाभार्थियों का चयन एवं प्राथमिकता

छोटे किसानों, महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया ऑनलाइन एवं पारदर्शी तरीके से की जाएगी।ठाणे जिले मे वित्तीय वर्ष 2024-25 में पशुधन व्यवसाय के लिए कई लाभार्थियों को प्रोत्साहित किया गया है और अधिक से अधिक पशुपालकों को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए।यह आवाहन जिला पशुपालन अधिकारी डॉ. समीर तोडणकर ने की है।आवेदन करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट https://ah.mahabms.com।

7 महीने के कुत्ते के पिल्ले को फेंकने के मामले में मामला दर्ज

पनवेल. पनवेल पुलिस ने पनवेल के पलास्पे में मैराथन नेक्स ज़ोन आवासीय परिसर की एक इमारत से 6 से 7 महीने के आवारा पिल्ले को ऊंची इमारत से फेंकने के आरोप में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, पिल्ला अन्य आवारा कुत्तों के साथ इस आलीशान सोसायटी के परिसर में रह रहा था और अक्सर बच्चों के साथ खेलता हुआ देखा जाता था। रविवार को शाम करीब 5.15 बजे, एक अज्ञात व्यक्ति ने पिल्ले को सोसायटी के परिसर में काफी ऊंचाई से फेंक दिया।

मेट गाला में शाहरुख खान की हुई फजीहत!

■ इंटरनेशनल मीडिया ने पहचाना नहीं तो देना पड़ा परिचय

■ कहा- मैं शाहरुख हूं; कहा- बच्चों के लिए आया हूं

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने मेट गाला 2025 में डेब्यू कर इतिहास रच दिया है। वो मेट गाला में पहुंचने वाले पहले इंडियन मेल एक्टर हैं। शाहरुख का लुक भी चर्चा है, हालांकि फैंस इस बात पर भड़क गए हैं कि इंटरनेशनल मीडिया ने रेड कार्पेट में शाहरुख को पहचानने से इनकार कर दिया। ऐसे में शाहरुख

खान को अपना नाम बताकर परिचय देना पड़ा। ये अपने आप में बेहद शॉकिंग है, क्योंकि शाहरुख खान भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के चौथे सबसे अमीर एक्टर हैं।

मेट गाला के रेड कार्पेट से शाहरुख खान का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में शाहरुख कार्पेट में वॉक करते हुए मीडिया के पास पहुंचते हैं। वो आते हाय-हैलो करते हुए आए थे। उन्होंने इस बीच ये भी कहा, मैं ठीक हूं, थैंक्यू। हालांकि जब मीडिया ने उन्हें पहचाना नहीं तो शाहरुख खान ने खुद को इंट्रोड्यूस करवाते हुए कहा, मैं शाहरुख हूं।

आगे शाहरुख से उनके लुक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब में कहा, मेरे डिजाइनर सब्यसाची ये उनका विचार है और ये एक फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन है।

मेट गाला में इंटरव्यू देते हुए शाहरुख खान से पूछा गया कि क्या उन्हें मेट गाला के बारे में कुछ पता है। इस पर एक्टर ने कहा, मुझे इसकी हिस्ट्री के बारे में नहीं पता, मैं बहुत ज्यादा नर्वस और एक्साइटेड हूं। मैंने कई रेड कार्पेट किए हैं। मैं बहुत शर्मीला हूं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099